ASU NEWS-LETTER

Vol .2 No. : 5 & 6

September- October & November - December-2018

Allahabad State University
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

Sheshnath Pandey
Registrar
Mobile No.: +91-9839984620
email: registrarasua@gmail.com

(Dr.) Vineeta Yadav
Controller of Examination
Mobile No.: +91-9450161119
Ph(O): 0532-2256207
email: coeasua@gmail.com

Prabhash Dwivedi
Deputy Registrar
Mobile No.: +91- 9454028590

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2) – श्रीमद्भगवद्गीता

कुलपति की कलम से

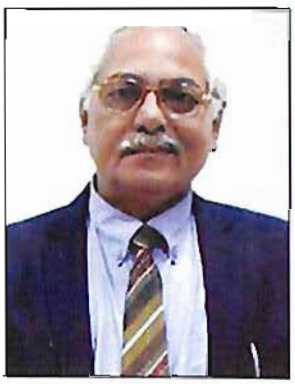

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के लिए सितम्बर–अक्टूबर के महीने कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहे हैं। इस बीच शिक्षक दिवस के अवसर पर 'शिक्षक सम्मान समारोह', 'युवा महोत्सव-2018', 'गाँधी जयंती और विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर आयोजित परिचर्चा, पुस्तक विमोचन, **'डिजिटल इंडिया'** सम्बन्धी संगोष्ठी में सहभागिता, साथ ही साथ **'टाउन और गाउन'** की गतिविधियों के कारण इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ऐतिहासिक बौद्धिक स्पंदन का केन्द्र बन गया।

ये समस्त क्रियाकलाप उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और युवाशक्ति के बौद्धिक, मनोवैज्ञानिक और नैतिक पोषण और बहुआयामी विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं तथा ज्ञान–विज्ञान के सृजन, संचय और विस्तार के लिए अपरिहार्य हैं। इस पुनीत प्रयास के लिए हम आवासीय परिसर व सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकगण, छात्र–छात्राओं और सर्वसम्बन्धित का अभिनन्दन करते हैं।

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद बहुआयामी प्रगति के पथ पर अग्रसर रहते हुए ऐतिहासिक उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है। तत्क्रम में आगामी 8 दिसम्बर 2018 को **'प्रथम दीक्षान्त समारोह'** आयोजित हुआ, जिसमें 20542 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं। उपाधि पाने वालों में 63.38 प्रतिशत छात्रायें थी। कुल मिलाकर 92 पदक देकर मेरिट के अनुरूप छात्र–छात्राओं को विभूषित किया गया। इस ऐतिहासिक दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल तथा विशिष्ट अतिथि प्रो0 दिनेश शर्मा, माननीय उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रामनाईक, माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा की गयी। दीक्षान्त सप्ताहान्तर्गत **'विज्ञान, समाज एवं विकास'** **'कनवर्जिंग टेक्नॉलोजीज'** और **'भारत की सौम्यशक्ति: क्षमता एवं सम्भावनाएं'** जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुए।

इसके अतिरिक्त **'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस'**, **'कुम्भ, अध्यात्म एवं बाजार'**, **'दिव्यांग जन : सामाजिक सरोकार'** जैसे समाजोपयोगी विषयों पर संगोष्ठियाँ आयोजित हुई। तत्क्रम में **'टाउन एवं गाउन'** की समावेशी गतिविधि भी अनवरत संचालित हुई। निरन्तर प्रगति का यह सिलसिला चलता रहे, इसे बल प्रदान करना हमारा दायित्व है।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मार्कशीट-सार्टिफिकेट ऑनलाइन

नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी का काम ऑनलाइन स्टोर हाउस उपलब्ध कराना है यहाँ संस्थाओं, छात्रों के शैक्षिक रिकार्ड्स यथा एकेडमिक अवार्ड, डिग्री, डिप्लोमा, सार्टिफिकेट, मार्कशीट को ऑनलाइन स्टोर किया जाता है। नैड के तहत स्टोर किया गया सार्टिफिकेट पूरी तरह से सुरक्षित है, जिसे कहीं भी देखा जा सकता है। शासन के आदेशानुसार इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी (नैड) में पंजीयन करा लिया है। विश्वविद्यालय ने बी0ए0, बी0एस0सी0 व बीकॉम के छात्रों की मार्कशीट व सार्टिफिकेट को ऑनलाइन करना शुरू कर दिया है। अब तक लगभग दो लाख छात्रों के अंकपत्रों व प्रमाणपत्रों को ऑनलाइन किया जा चुका है। इन प्रमाण पत्रें को कही से भी देखा व इनका प्रिंट लिया जा सकता है। इस कदम में सत्यापन का फर्जीवाड़ा भी रोका जा सकेगा।

नैड की नोडल ऑफिसर व उपकुलसचिव डॉ0 दीप्ति मिश्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्रों के शीर्षक रिकार्ड को ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। कुछ ही दिनों बाद छात्रों से संबंधित सभी तरह के शैक्षणिक व निजी डाटा कम्प्यूटर पर शो करने लगेंगे। पटल द्वारा प्रमाणपत्रों की जाँच प्रक्रिया से छुटकारा मिल जाएगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में ''शिक्षक सम्मान समारोह'' में सहभागिता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा की गयी। उन्होंने इस अवसर पर चार विश्वविद्यालयों के कुलपतियों समेत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इलाहाबाद, प्रतापगढ़ कौशम्बी व फतेहपुर में संचालित महाविद्यालयों में विगत् तीन वर्षों में सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि डॉ. राधकृष्णन का व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेरणादायी है। शिक्षकों को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। विश्वविद्यालय ने शिक्षक दिवस पर जिन शिक्षकों को सम्मानित किया उनमें प्रमुख रूप से प्रो. एम.पी.दुबे, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. पी.आर.अग्रवाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, प्रो. ओम प्रकाश, पूर्व कुलपति, महात्मा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली शामिल थे। इसके अलावा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रो. ए.सत्यनारायण, प्रो. आर.बी.एस.वर्मा, प्रो. जे.एन.मिश्र, प्रो. जे.एन.पॉल, डॉ. एम.एन.सिंह, डॉ. आर.एस.राय, डॉ. ओ.पी.श्रीवास्तव, प्रो. रूद्र देव, प्रो. राम किशोर शर्मा, प्रो. ए.एन.सिंह शामिल हैं।

महाविद्यालयों के जिन शिक्षकों को सम्मानित किया गया उनमें डॉ. रजनी श्रीवास्तव, डॉ. निरंकार सिंह, डॉ. सालिक सिंह, डॉ. विजय लक्ष्मी तिवारी, डॉ. ज्योत्सना तिवारी, डॉ. ऊषा मिश्रा, डॉ. मो. अहमद, डॉ. मानसिंह निरंजन, डॉ. रंगीलाल यादव, डॉ. आर.डी. सिंह, डॉ. यमुना प्रसाद, डॉ. शीतला प्रसाद मौर्य, डॉ. केशव प्रसाद बरनवाल, प्रो. श्याम बिहारी शुक्ल, डॉ. डी.पी.ओझा आदि शामिल रहे।

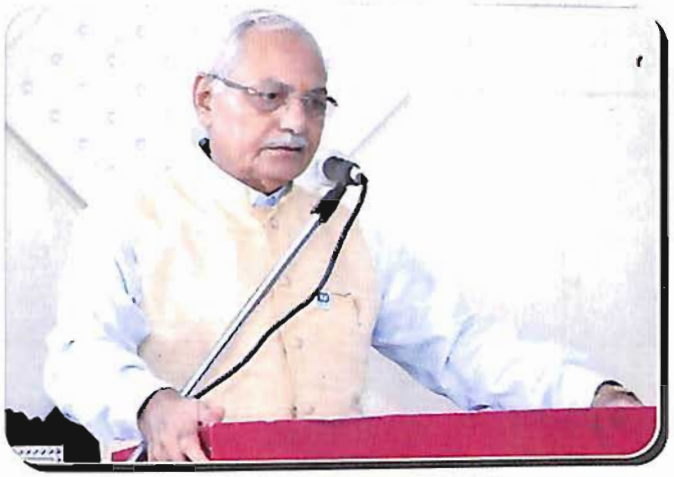

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

1975

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "युवामहोत्सव-2018" कार्यक्रम में सहभागिता (10.09.2018)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा युवा महोत्सव -2018 का इलाहाबाद मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरुण टंडन, विशिष्ट अतिथि शहरी उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी व कुलपति प्रो. राजेन्द्र द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरुण टण्डन ने कहा कि भारत तभी विकसित देशों में शुमार हो पाएगा जब देश की युवा पीढ़ी अपना सर्वश्रेष्ठ दे। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें सही अवसर और करियर प्रदान करना। पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को उद्घृत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत विकसित तब होगा जब युवा अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से काम करेगा। युवा महोत्सव में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. माहरूख मिर्जा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में विजयी होना महत्वपूर्ण होता है। ऐसे आयोजनों से युवा प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलता है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है। इससे पूर्व अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भारत सांस्कृतिक रूप से धनी देश रहा है। यहाँ की उत्सवधर्मिता प्रसिद्ध रही है। संस्कृति के विभिन्न रंग इसकी पहचान रही है। यह पहचान बनी रहे और युवाओं को निखरने का मौका मिले इसीलिए युवा महोत्सव कराने का निर्णय लिया है। विशिष्ट अतिथि शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने विदेश में विश्वविद्यालयों की शिक्षण प्रणाली व भारतीय विश्वविद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था में फर्क पर प्रकाश डाला और कहा कि राज्य विश्वविद्यालय कोरा कागज है इसे मनचाहा रंग दिया जा सकता है।

पहले चरण में ऑन स्टेज के तहत एकल और समूह नृत्य प्रतियोगिता हुई, जबकि दूसरे चरण में ऑफ स्टेज के तहत रंगोली, पोस्टर, मेंहदी, निबंध, पेंटिग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसके बाद काव्य पाठ, आशु भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। एकल नृत्य में गरिमा तिवारी प्रथम रही। वाद-विवाद में अनामिका प्रथम, अंशू यादव द्वितीय व आशीष मौर्या तृतीय रहीं। काव्य पाठ में लिखित द्विवेदी व शिवांगी प्रथम रहे। कोलॉज में आकांक्षा व शुभी प्रथम रहे। एकल नृत्य में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती विश्वविद्यालय विजयी रहा। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. विनीता यादव ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित दिया, जबकि संचालन उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा ने किया।

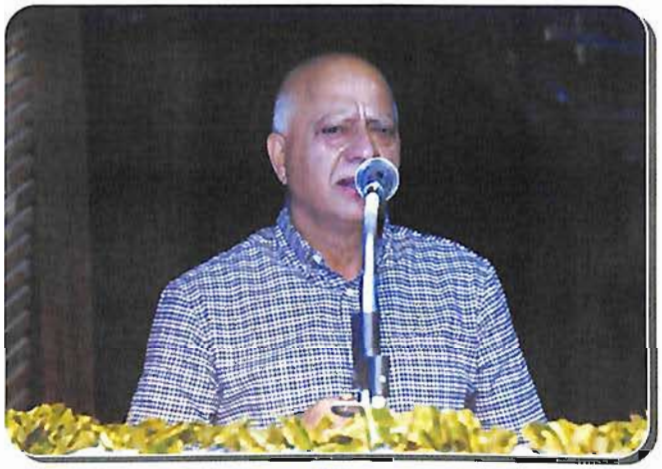

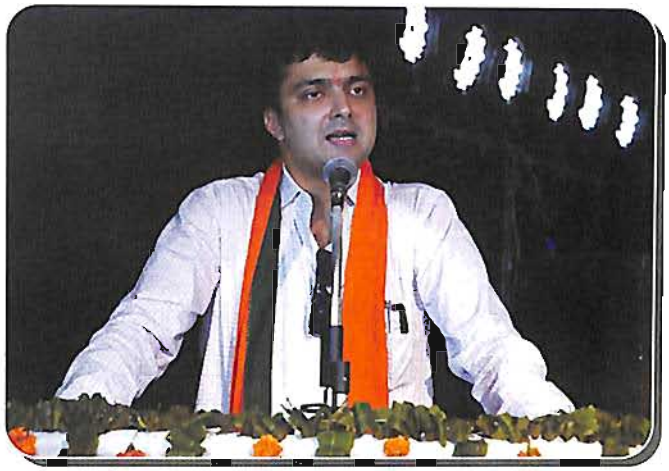

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के विचार एवं सिद्धान्त पर चलकर ही विश्वशांति, मानवता एवं भारतीय हितों की रक्षा हो सकती है : प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के जयन्ती के शुभ अवसर पर कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा

गाँधी एवं स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के छायाचित्रों पर न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय (से0नि0), न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण (से0नि0) एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं गाँधीवादी विचारक प्रो0 आर0पी0 मिश्र तथा कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रो0 आर0पी0 मिश्र द्वारा सम्पादित गाँधी दर्शन पर आधारित **''रिडिस्कवरिंग गाँधी''** के दो संस्करणों का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न धर्मो की पुस्तकों का सस्वर पाठ एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के प्रिय भजनों एवं रामधुन का गायन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि देश को स्वतंत्र कराने में गाँधी जी का योगदान महत्वपूर्ण रहा है, उन्होंने असहयोग आंदोलन एवं अहिंसा के सिद्धांतों पर चलकर आजादी दिलाई। न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण ने गाँधी जी के विचारों, संघर्ष एवं आदर्श तथा सर्वधर्म समभाव पर विस्तृत प्रकाश डाला और कहा कि गाँधी जी के सिद्धांत आज के हिंसा और कटुता प्रधान युग में अत्यन्त प्रासंगिक और उपयोगी हैं। प्रो0 आर0पी0 मिश्रा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गाँधी जी के सिद्धान्त सार्वभौमिक हैं। अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए मन, वाणी एवं कर्म से किसी को आहत नहीं करना चाहिए। छात्र-छात्राओं को यह सुझाव दिया कि गुरु के प्रति समर्पण ही सच्ची सेवा है।

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि गाँधी जी के विचार केवल भारत की आजादी के लिए ही नहीं अपितु अनेक एशियाई-अफ्रीकी देशों की आजादी के भी प्रेरणास्त्रोत बने। गाँधी जी के विचार सार्वभौमिक हैं। उनके विचार से गांवों में स्वावलम्बन एवं पंचायतीराज व्यवस्था से लोकतंत्र सबल हो सकेगा। गांव आत्मनिर्भर हों, पंचायतीराज व्यवस्था सुदृढ़ हो एवं प्रकृति का दोहन कम हो, तो भारत सम्पन्न होगा। गाँधी जी के सिद्धांतों के अनुकूल विकास नहीं हो पाया है, मशीनीकरण एवं शहरीकरण से प्रभावित होने वाले अंधाधुंध भौतिक विकास से गाँव की दुर्दशा हुई है और समावेशी तथा संपोषीय विकास बाधित है। गाँधी जी ने सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा और अंहिसा के सिद्धान्तों को अपनाने के लिए जो विचार दिए, उनकी वैश्विक मान्यता है। गाँधी जी के सिद्धान्त समकालीन दुनिया की बहुत सारी समस्याओं के निराकरण में सहयोगी हो सकती है। विपन्नता, भेदभाव, असमानता तथा अस्पृश्यता, अस्वच्छता जैसे कुरीतियों को समाप्त करने हेतु गाँधी के विचार अत्यंत मूल्यवान हैं। प्रो0 प्रसाद ने श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धान्जलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके विचारों के अनुकूल **''जय जवान, जय किसान''** के नारे को व्यावहारिक रूप से अपनाने पर भारत सुरक्षित एवं खुशहाल होगा।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में कुलसचिव डॉ0 विनीता यादव ने उपस्थित समस्त अतिथियों एवं आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, प्रो0 आर0पी0 मिश्र, न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय, न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण के साथ-साथ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, उपकुलसचिव श्री शेषनाथ पाण्डेय, उपकुलसचिव श्री प्रभाष द्विवेदी, उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा, प्रो0 आर0बी0एस0 वर्मा, प्रो0 रमाशंकर राय, प्रो0 रामकिशोर, प्रो0 ए0 सत्यनारायण, प्रो0 जे0एन0 पाल, डॉ0 इच्छा नायर, श्रीमती शारदा पाण्डेय, श्री ओ0पी0 पाण्डेय जैसे गणमान्य लोग, विश्वविद्यालय परिसर की छात्र-छात्राएँ, महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद तथा के0पी0 उच्च शिक्षा संस्थान, झलवा, इलाहाबाद की छात्र-छात्राएँ तथा समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह 8 दिसम्बर 2018 को आयोजित होने जा रहा है। इस दीक्षांत समरोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। कार्यक्रम में माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्री राम नाईक, माननीय उपमुख्यमंत्री, डॉ. दिनेश शर्मा, समारोह में शामिल होंगे। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में 95 मेधावियों को पदक प्रदान किया जायेगा, जिनमें कुलाधिपति पदक भी शामिल होगा। यह निर्णय विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद की बैठक में लिया गया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर 17 जून 2018 तक दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस बार परास्नातक के 27 पाठ्यक्रमों समेत बी.एड. और बी.पी.एड के 20 हजार से अधिक विद्यार्थियों को उपाधि दी जानी है। प्रो. प्रसाद की अध्यक्षता में हुई एकेडमिक कांउसिल की बैठक में निर्णय लिया गया कि एक छात्र को कुलाधिपति पदक, 29 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, 34 को रजत पदक और 31 छात्र-छात्राओं को कास्य पदक प्रदान किए जायेंगे। बैठक के दौरान पदक लेने वाले छात्र-छात्राओं की वेशभूषा आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी विचार किया गया।

दीक्षांत समारोह में पदक पाने वालों में आधे से अधिक छात्राएँ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पदक पाने वालों में छात्राओं की संख्या अधिक है। समारोह में कुल 20542 विद्यार्थियों को उपाधियाँ दी जायेंगी, जिसमें 7541 छात्र और 13001 छात्राए हैं। इनमें छात्राएँ 63.28 फीसदी हैं। कुलपति ने बताया कि जल्द ही पदक पाने वाले छात्र-छात्राओं की घोषणा कर दी जाएगी। सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि छात्रों को प्रदत्त उपाधि प्रमाणपत्र विशेष गुणवत्ता वाला होगा। उपाधि प्रमाणपत्र पानी में भीगने के बाद भी खराब नहीं होगा और उन्हें हाथ से फाड़कर नष्ट नहीं किया जा सकेगा। ऐसे में छात्र-छात्राओं की उपाधियाँ वर्षो तक सुरक्षित रहेंगी।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक सम्पन्न

(11.11.2018)

दिनांक 08 दिसम्बर, 2018 को सम्पन्न होने वाले इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियों की समीक्षा हेतु कार्य परिषद की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा की गई। प्रो0 प्रसाद ने बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यों का स्वागत किया। कुलसचिव ने माननीय सदस्यों को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह में कुल 20542 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की जाएगी जिसमें एक कुलाधिपति स्वर्णपदक सहित कुल 29 स्वर्ण पदक, 34 रजत पदक एवं 32

कांस्य पदक भी शामिल होंगे जिस पर सदस्यों ने अपना अनुमोदन प्रदान किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव ने प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा रचित राज्य विश्वविद्यालय के कुलगीत से अवगत कराया तथा कुलगीत को संगीतमयी धुन के माध्यम से सदस्यों को सुनाया गया जिस पर परिषद ने अपना अनुमोदन प्रदान किया। प्रथम दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित होने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं की वेश-भूषा पर विद्या परिषद द्वारा की गई संस्तुतियों पर अपना यथावत अनुमोदन प्रदान किया। कुलसचिव द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्य परिषद के विगत कार्यवृत्त, कृत कार्यवाही आख्या, क्रीड़ा परिषद, विद्या परिषद, विभिन्न परीक्षा समितियों, वित्त समिति, शिक्षक कल्याण कोष हेतु निर्मित नियमावली के नियमों/की गई संस्तुतियों पर माननीय सदस्यों ने अपना अनुमोदन प्रदान किया। परिषद के सदस्यों ने अपना अभिमत दिया कि विश्वविद्यालय अपने सम्बद्ध महाविद्यालयों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए महाविद्यालयों में उच्च स्तरीय पठन-पाठन की व्यवस्था सुनिश्चित कर सकता है। बैठक के अन्त में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यों में प्रो0 ओम प्रकाश, प्रो0 ओंकार सिंह, प्रो0 आर0एस0 माली, प्रो0 आर0के0 मिश्रा, प्रो0 जी0के0 राय, डॉ0 मो0 अकरम जावेद, प्रो0 जी0जे0 रेड्डी, प्रो0 गौतम सेन, ले0जन0 बी0एस0 नागल, श्री उज्जवल रमण सिंह, डॉ0 श्रीराम पाठक, डॉ0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी (वित्त अधिकारी), डॉ0 विनीता यादव (परीक्षा नियंत्रक) तथा कुलसचिव शेषनाथ पाण्डेय उपस्थित रहे।

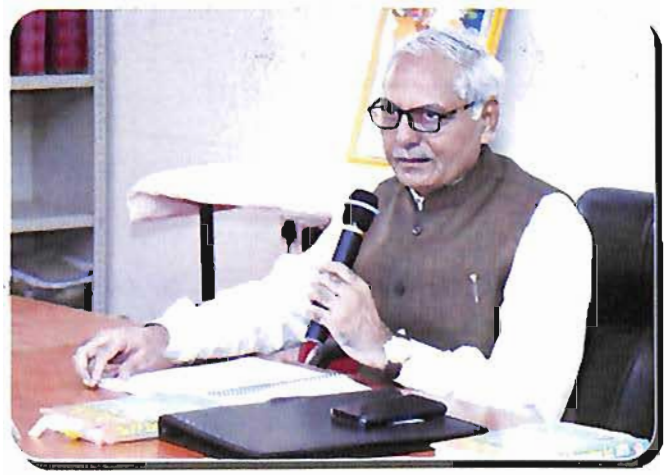

प्रथम शिक्षामन्त्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह में सहभागिता (11.11.2018)

भारत के प्रथम शिक्षामन्त्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस को ''राष्ट्रीय शिक्षा दिवस'' के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मनाया गया। इस अवसर पर श्री अबुल कलाम आजाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समाहित करते हुए **''भारतीय शिक्षाः दशा एवं दिशा''** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के प्रारम्भ में इसके संयोजक प्रो0आर0बी0एस0वर्मा ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म, बचपन, शिक्षा-दीक्षा, क्रान्तिकारियों से सम्बन्ध एवं उनकी राजनीतिक भागीदारी पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त उनके प्रथम शिक्षामंत्री के रूप में योगदान की चर्चा की। इस सम्बन्ध में उनके 5 कार्यक्रमों की चर्चा की गई।

1. सार्वभौमिक आवश्यक शिक्षा।
2. सभी स्कूल जाएँ। योग्य बच्चों की शिक्षा एवं प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम।
3. द्वितीयक तथा उच्च शिक्षा के विस्तार एवं गुणवत्ता का उन्नयन।
4. राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरूप प्राविधिक एवं वैज्ञानिक शिक्षा की व्यवस्था।
5. समुदाय के सांस्कृतिक जीवन के उन्नयन हेतु प्रयास।

इस अवसर पर उनके विशेष योगदान की चर्चा हुई, जिसमें भाषा की समस्या के समाधान, मुक्त एवं आवश्यक रूप से शिक्षा, शिक्षा के अधिकार तथा मदरसा शिक्षा की आधुनिकता सम्मिलित हैं। इसके पश्चात् प्रो0 जगदीश नारायण गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो0 डी0पी0सिंह ने शिक्षा के स्तर में निरन्तर गिरावट का उल्लेख करते हुए इसमें सुधार लाने हेतु गहन चिन्तन करने की सलाह दी। प्रो0जे0एन0मिश्रा ने विश्वविद्यालयों की स्थापना के विषय में प्रकाश डाला तथा स्वायत्तता की लगातार क्षरण होने पर चिन्ता व्यक्त की। प्रो0 जे0एन0पाल ने मौलाना अबुल कलाम आजाद को राजनेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता बताते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि उच्च शिक्षा में सरकार की सहभागिता निरन्तर कम हो रही है तथा स्ववित्तपोषित संस्थानों की स्थापना पर बल दिया जा रहा है जिससे शिक्षा की गुणवत्ता मे कमी आ रही है।

इसके अतिरिक्त उपस्थित विद्यार्थियों में से श्री गजेन्द्र सिंह, श्री आशीष कुमार मौर्य एवं राहुल पवार अपने-अपने विचार व्यक्त किए। जो उच्च शिक्षा में सुधार लाने हेतु विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के उत्तरदायित्व के सम्बन्ध में थे। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का प्रारम्भ मौलाना अबुल कलाम आजाद के चित्र पर उनके द्वारा माल्यार्पण करने के उपरान्त हुआ।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में जमा होंगी उत्तर पुस्तिकाएँ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय और इससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में दिसम्बर विषम सेमेस्टर की परीक्षाएँ शुरू होने जा रही है। परीक्षाएँ नकल विहीन हों और परीक्षाओं के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसके लिए राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव ने सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को आवश्यक

कैमरे की निगरानी में संबंधित जिले के शासकीय महाविद्यालय के उत्तर पुस्तिका संग्रहण केंद्र में जमा की जाएँगी। परीक्षा के दौरान हर कमरे में वायस रिकार्डर युक्त न्यूनतम दो सीसीटीवी कैमरे होने चाहिए। रिकार्डिंग कम से कम दो माह तक सुरक्षित रखी जाएगी। यदि किसी प्रबंधक के एक से अधिक महाविद्यालय है तो उस प्रबंधक के महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का परीक्षा केंद्र उसी प्रबंधक के दूसरे महाविद्यालय में नहीं बनाया जाएगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 'दीक्षांत सप्ताह' के अन्तर्गत प्रथम व्याख्यानमाला :''भारत वर्ष की सौम्य शक्तिः क्षमता एवं सम्भावनायें'' (दिनांक 04.12.2018)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह के उपलक्ष्य में 'दीक्षांत सप्ताह' में एमिटी विश्वविद्यालय के डॉ0 आर0के0सिंह ने माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में **'भारत वर्ष की सौम्य शक्तिः क्षमता एवं सम्भावनायें'** विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान में उन्होंने भारतीय सौम्य शक्ति के वाहक के रूप में योग, सर्वधर्म समभाव, भारतीय धर्मो विशेषकर बौद्ध धर्म की भूमिका, कला एवं सांस्कृतिक विविधताओं, प्रतीक स्थानों जैसे ताजमहल, बनारस, बौद्ध धर्म से सम्बन्धित परिपथ, प्रयागराज, मेलों विशेषकर कुम्भ मेले, आयुर्वेद, आपदा प्रबंधन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन, वॉलीवुड, लोक गायकी एवं कलाकारों, हिन्दुस्तानी संगीत, अहिंसा इत्यादि का उल्लेख किया तथा इनके माध्यम से भारतवर्ष विश्वपटल पर अपनी पहचान बनाने में किस प्रकार सफल रहा है, इसका विशद विवेचन प्रस्तुत किया।

सौम्यशक्ति के विकास एवं प्रयोग के अवसरों के रूप में सरकारी नीति, इण्डियन कौन्सिल ऑफ कल्चरल रिलेशन्स, भाषा संस्थानों, विश्व हिन्दी दिवस का उल्लेख किया तथा गैर-सरकारी अवसरों जैसे फिल्म उद्योग, टी0वी0उद्योग, धार्मिक उपदेशों, योग विद्यालयों, इस्कान सेक्ट एवं कुम्भ मेला आदि का उल्लेख किया। इस प्रकार से भारतवर्ष ने अपनी सौम्यशक्ति के कारण ही राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त किया है। इस कारण से अन्तर्राष्ट्रीय जगत में भारतवर्ष की कूटनीतिक स्थिति मजबूत हुई है।

इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने भारतवर्ष की सौम्य शक्ति की क्षमता को उजागर करने एवं इसके विश्लेषणात्मक तथा तार्किक प्रस्तुति करने हेतु वक्ता डॉ0 आर0के0सिंह को साधुवाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 आर0बी0एस0वर्मा ने वक्ता के भाषण का सार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

द्वितीय व्याख्यानमाला: ''विज्ञान, समाज एवं विकास''
(दिनांक 05.12.2018)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित 'दीक्षान्त सप्ताह' के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यानमाला को चेक गणराज्य स्थित मेन्डेल विश्वविद्यालय के प्रो0 पवन कुमार मिश्र ने ''**विज्ञान, समाज एवं विकास**'' विषय पर कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में द्वितीय व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में प्रो0 मिश्र ने कहा कि विज्ञान को समस्या एवं व्यवस्था, वैज्ञानिक खोजों को लागू करने हेतु अनुगमन, सामाजिक कारकों तथा स्थानीय स्रोतों से प्राप्त ज्ञान पर आधारित होना चाहिए, ताकि वैधानिक शोध एवं खोजों का लाभ स्थानीय जनता तथा सामान्य व्यक्ति को मिल सके। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक वैज्ञानिक को अपनी खोज के सामाजिक परिणाम ज्ञात होने चाहिए तथा उसे जन सामान्य के सामने उनका विश्लेषण करना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के माध्यम से सामान्य जनों की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति पर बल दिया तथा इस संदर्भ में उन्होंने संपोषणीय विकास का उल्लेख किया। व्याख्यान में उन्होंने इस तथ्य को तार्किकता के साथ उजागर किया कि आने वाले समय में एशिया महाद्वीप की जनसंख्या में वृद्धि के सापेक्ष संसाधन इस महाद्वीप को स्वयं जुटाने पडेंगे। इसके अतिरिक्त प्रो0 मिश्र द्वारा अपने व्याख्यान में अवशिष्ट पदार्थो के पुन: उपयोग के नये तरीकों को विकसित करने पर बल दिया गया तथा ऐसी नीतियों के निर्माण का सुझाव दिया।

तृतीय व्याख्यानमाला: ''कनवर्जिंग टेक्नोलॉजीज''
(दिनांक 06.12.2018)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित 'दीक्षान्त सप्ताह' के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के तत्वावधान में प्रो0 अशोक नागावत, निदेशक, कनवर्जिंग टेक्नोलॉजीज संस्थान, जयपुर विश्वविद्यालय, जयपुर ने '**कनवर्जिंग टेक्नोलॉजीज**' विषय पर कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में सारगर्भित व्याख्यान दिया।

इस व्याख्यान में प्रो0 नागावत ने जीवों के उद्गम एवं विकास में विभेद करते हुए प्रकृति के शाश्वत नियमों का उल्लेख किया जिसमें परिवर्तन, जड़त्व, संतुलन एवं अभिरण सम्मिलित है। परिवर्तन के दो विरोधी सिद्धान्तों समाजशास्त्रीय नियतत्ववाद तथा प्रौद्योगिकी नियतत्ववाद का उल्लेख करते हुए उन्होंने है यह तथ्य सामने रखा कि सामन्यतया विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ही दुनिया में परिवर्तन लाती है। उन्होंने इस सन्दर्भ में वेब-टेक्नोलॉजी तथा ई-बाबू का उदाहरण देते हुए समझाया कि किस प्रकार से इन प्रौद्योगिकी परिवर्तनों ने हमारी जीवनशैली में परिवर्तन कर दिया है तथा इस समय यह लगता है कि मशीन के बगैर जीवन सम्भव नहीं है।

इसके अतिरिक्त उन्होंने विभाज्यता की अवधारणा का उल्लेख किया जिसमें पूर्ण को समझने के लिए उसके भागों को समझना आवश्यक होता है या भागों को समझकर पूर्ण को समझा जा सकता है। प्रौद्योगिकी के इस युग में यह अवधारणा सही नहीं कि क्योंकि पूरी संरचना को समझना आवश्यक होता है। इस संदर्भ में उन्होंने नैनो टेक्नोलोजी का उल्लेख किया जिसमें नए पदार्थों के निर्माण के साथ-साथ अन्य परिवर्तन भी होते है। इस विषय में उन्होंने सोने का उदाहरण देते हुए समझाया कि सोने को पीट-पीट कर जितना छोटा किया जायेगा, उसका रंग बदलता जाएगा। प्रो0 नागावत ने आगे कहा कि अभिरण प्रौद्योगिकी, नैनो, बायो, इन्फारमेशन तथा कागनीटिव (संज्ञात्मक) प्रौद्योगिकी का एक संगम है जिससे दुनिया में व्यापक स्तर पर बदलाव हो रहे हैं।

उन्होंने परिवर्तन की शृंखला में आनुवांशिक अभियान्त्रिकी का उल्लेख किया जिसके कारण आजकल आनुवांशिक परिवर्तित बच्चे का जन्म सम्भव हो पाया है। इस प्रविधि से बच्चे को हानिकारक जीनों से छुटकारा मिल सकता है तथा उसमें लाभप्रद जीनों से युक्त किया जा सकता है। उन्होंने इस तथ्य को भी उजागर किया कि व्यक्ति के मस्तिष्क के अध्ययन हेतु फंक्शनल एम0आर0आई मशीन की खोज हो चुकी है जो मस्तिष्क की सूक्ष्म बात का अध्ययन करने में सक्षम है।

तत्पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने मानव एवं मशीन के सम्बंधों पर प्रकाश डाला और कहा कि मानव की मशीन पर निर्भरता हो सकती है, लेकिन मशीन मानव का स्थानापन्न नहीं हो सकती। कार्यक्रम का समापन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो0 आर0बी0एस0वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन (08.12.2018)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह सरस्वती हाईटेक सिटी स्थित राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पं. केशरी नाथ

त्रिपाठी, कुलाधिपति/श्री राज्यपाल राम नाईक एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री, डॉ दिनेश शर्मा उपस्थित थे। समारोह का शुभारम्भ छह तल में बनने वाले प्रशासनिक भवन और परीक्षा भवन के शिलान्यास के बाद सरस्वती वन्दना, राष्ट्रगान एवं कुलगीत के.पी.उच्च शिक्षण संस्थान की छात्राओं द्वारा किया गया। माननीय मुख्य अतिथि, राज्यपाल उत्तर प्रदेश, विशिष्ट अतिथि डॉ0 दिनेश शर्मा एवं प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत स्मारिका नवोन्मेष का विमोचन किया गया। समारोह में कुलाधिपति ने 92 मेधावियों को पदक प्रदान किये। जिसमें चांसला मेडल आदित्य शेखर को प्रदान किया गया। 92 में से 16 पदक कुलभाष्कर आश्रम पी0जी0 कालेज के छात्रों को प्रदान किया गया। 28 स्वर्ण पदक में छात्राओं को 16 और छात्रों को 12 स्वर्ण पदक मिले।

समारोह के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पं. केशरी नाथ त्रिपाठी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि उपाधि मिलने पर सभी को बधाई, पर यह शिक्षा की पूर्णता नहीं है। यह शुरूआत है। जीवन में वही लोग आगे बढ़ते रहते हैं जो हर पल कुछ न कुछ नया सीखने और करने का जज्बा रखते है। जीवन के लिए केवल पुस्तकालय ज्ञान जरूरी नहीं है व्यवहारिक ज्ञान व चारित्रिक विकास किताबी ज्ञान से कहीं ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संगम के तट पर हो रहा है। अपने ही शहर से जहाँ से मैं पांच बार विधानसभा सदस्य रहा विश्वविद्यालय में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का अवसर मिला।

विश्वविद्यालय में कुल 92 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। पदक पाने वाले छात्रों की संख्या 40 व छात्राओं की संख्या की संख्या 52 रही है। इस तरह 56.52 फीसद छात्राओं को पदक प्रदान किया गया। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में कुल 20542 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई। इसमें छात्रों की संख्या 7541 व छात्राओं की 13001 है। उपाधि पाने वालों में 63.28 फीसद छात्राएँ है। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह उनका पहला पड़ाव था जो अब समाप्त हुआ। अब उन्हें दूसरे पड़ाव की ओर जाना है। आज स्पर्धा विश्वव्यापी है। स्पर्धा तेज हुई है। इस स्पर्धा में हमें आगे बने रहने के लिए कठिन परिश्रम करने होंगे। जो भी कार्य करना होगा उसे प्रमाणिकता के साथ करना होगा। उन्होंने छात्रों को सीख देते हुए कहा कि शार्टकट का रास्ता प्रगति को रोक देता है। जीवन में असफलता जरूर आती है, लेकिन उससे हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए बल्कि उससे हमें सीखना चाहिए। गलतियों को सुधार कर हमें स्वयं का आत्म निरिक्षण करना चाहिए। इससे सुधार का मौका मिलेगा और हमें कामयाबी मिलेगी। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शोध आज की जरूरत है। कैंपस में रोजगार परक शिक्षा प्रदान की जाए, संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट हो सके इसका प्रयास किया जाये उच्च शिक्षा में समय से नकल विहीन परीक्षा कराना हमारी प्राथमिकता है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रशासनिक भवन और परीक्षा भवन बन गया है। प्रो0 प्रसाद ने कहा कि विश्वविद्यालय में अगले सत्र से सभी कक्षाएँ नवीन परिसर में चलेंगी। विदेशी भाषा व स्किल डेवलेपमेंट सेंटर भी खोले जायेंगे। विश्वविद्यालय ने अपनी परिनियमावली तैयार करने के साथ ही साथ महाविद्यालयों में भी सेमेस्टर प्रणाली स्नातक व परास्नातक स्तर तक लागू कर दी है। कार्यक्रम का संचालन परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव शेषनाथ पाण्डेय ने किया।

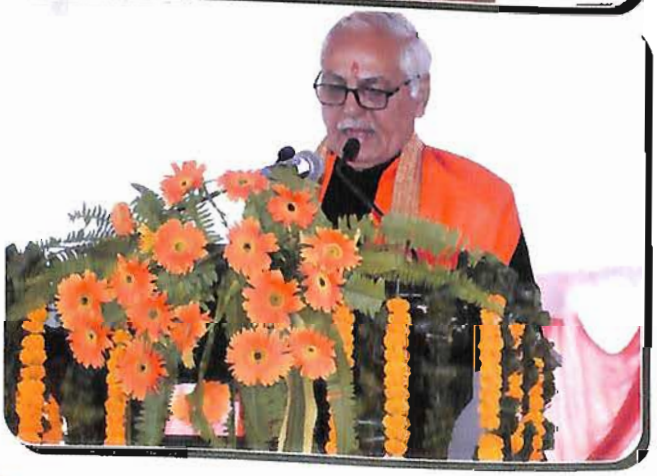

First Convocation Chancellor Medal Awardee 8 December, 2018

Sno	Course	Student Name	Father's Name	College Name	Medal Type
1	MASTER OF AGRICULTURE FINAL HORTICULTURE	ADITYA SHEKHAR	DAYA SHANKAR	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	GOLD MEDAL

First Convocation Medal Awardees 8 December, 2018

Sno	Course	Student Name	Father's Name	College Name	Medal Type
	BACHELOR OF EDUCATION				
1	BACHELOR OF EDUCATION	ROSHANI SHUKLA	GYAN CHANDRA SHUKLA	PT.SUKHRAJ RAGHUNATHI INSTITUTE OF EDU. & TECH.RANJITPUR CHILBILA PRATAP GARH	Gold Medal
2	BACHELOR OF EDUCATION	MANORAMA DEVI	RAJENDRA PRASAD MISHRA	PT.SUKHRAJ RAGHUNATHI INSTITUTE OF EDU. & TECH.RANJITPUR CHILBILA PRATAP GARH	Silver Medal
3	BACHELOR OF EDUCATION	ASTHA KHANDELWAL	VIJAY KUMAR KHANDELWAL	PT.SUKHRAJ RAGHUNATHI INSTITUTE OF EDU. & TECH.RANJITPUR CHILBILA PRATAP GARH	Bronze Medal
	BACHELOR OF PHYSICAL EDUCATION				
1	BACHELOR OF PHYSICAL EDUCATION	SHIVAM SINGH	SANJAY KUMAR SINGH	YASHODA NANDAN HARIVANSH MAHAVIDHYALAYA TARANPUR SANDVA CHANDIKA PRATAPGARH	Gold Medal
2	BACHELOR OF PHYSICAL EDUCATION	UTKARSHA TIWARI	ASHOK KUMAR TIWARI	YASHODA NANDAN HARIVANSH MAHAVIDHYALAYA TARANPUR SANDVA CHANDIKA PRATAPGARH	Silver Medal
3	BACHELOR OF PHYSICAL EDUCATION	KM VIBHA SINGH	UDAY RAJ SINGH	YASHODA NANDAN HARIVANSH MAHAVIDHYALAYA TARANPUR SANDVA CHANDIKA PRATAPGARH	Bronze Medal
4	BACHELOR OF PHYSICAL EDUCATION	KM SUSHMA MOURYA	VIJAY PRATAP MOURYA	DEGREE COLLEGE, UPARDAHA, BARAUT, ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS ANCIENT INDIAN HISTORY & CULTURE				
1	MASTER OF ARTS ANCIENT INDIAN HISTORY & CULTURE	RASHMI SINGH	ANIL KUMAR SINGH	M.D.P.G COLLEGE PRATAPGARH	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS ANCIENT INDIAN HISTORY & CULTURE	JAGAT KUMAR VERMA	RAM JEE VERMA	SNATKOTTAR MAHAVIDHYALAYA PATTI PRATAPGARH	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS ANCIENT INDIAN HISTORY & CULTURE	KM ASMITA	MATA PRASAD PANDEY	BABU SANT BUX MAHAVIDHYALAYA SANDWA DUBAN SAHABGANJ PRATAPGARH	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS ECONOMICS				
1	MASTER OF ARTS ECONOMICS	SNIGDHA PANDEY	BRAJESH DATTA PANDEY	ALLAHABAD STATE UNIVERSITY CAMPUS	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS ECONOMICS	SANT PRASAD TIWARI	BHUNESH NARAYAN TIWARI	PRATAP BAHADUR P.G. COLLEGE PRATAPGARH CITY	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS ECONOMICS	KM NEHA	ABDUL RAHEEM	M.D.P.G COLLEGE PRATAPGARH	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS EDUCATION				
1	MASTER OF ARTS EDUCATION	BABY MISHRA	KAILASH NATH MISHRA	SNATKOTTAR MAHAVIDHYALAYA PATTI PRATAPGARH	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS EDUCATION	SHALINI SHUKLA	P S SHUKLA	DR. B.R.AMBEDKAR GOVT. GIRLS DEGREE COLLEGE, FATEHPUR	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS EDUCATION	MANISHA SRIVASTAVA	SUDHIR SRIVASTAVA	RAM SAJIWAN SINGH MAHAVIDYALAYA,JAYANTIPUR,KAUSHAMBI	Silver Medal
4	MASTER OF ARTS EDUCATION	KM SMRITI OMER	RAMESH CHANDRA OMER	DILIP KUMAR SMARAK MAHAVIDYALAYA,KODA JAHANABAD,FATEHPUR	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS ENGLISH				
1	MASTER OF ARTS ENGLISH	KM KOMAL SRIVASTAVA	KRIPA SHANKAR SRIWASTAVA	GAUTAM BUDDH MAHAVIDYALAYA, PHOOLPUR, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS ENGLISH	ARCHANA MAURYA	RAJA RAM MAURYA	RAM SAJIWAN SINGH MAHAVIDYALAYA,JAYANTIPUR,KAUSHAMBI	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS ENGLISH	ARTI SINGH RATHOR	ARJUN SINGH RATHOR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAYA, KARCHALPUR, FATEHPUR	Bronze Medal
4	MASTER OF ARTS ENGLISH	NIHARIKA RAI	RAKESH SHARMA	M.D.P.G COLLEGE PRATAPGARH	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS GEOGRAPHY				
1	MASTER OF ARTS GEOGRAPHY	KM ANJALI SINGH	UDAY PRATAP SINGH	MADAN MOHAN MALVIYA P.G. COLLEGE KALAKANKAR PRATAPGARH	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS GEOGRAPHY	KM APOORWA SINGH	BRIJESH SINGH	MADAN MOHAN MALVIYA P.G. COLLEGE KALAKANKAR PRATAPGARH	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS GEOGRAPHY	KM RUBEE	UDHAV SINGH	ABHAY PRATAP SINGH DEGREE COLLEGE,KUNWARPUR ROAD,BINDAKI,FATEHPUR	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS HINDI				
1	MASTER OF ARTS HINDI	AKASH KUMAR TIWARI	RAJENDRA KUMAR	HEMWATI NANDAN BAHUGUNA RAJKIYA MAHAVIDYALAYA, NAINI, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS HINDI	ANANT KUMAR	SHYAM LAL	RANI CHANDRA PRABHA DEGREE COLLEGE, KHAGA, FATEHPUR	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS HINDI	ABHILASHA DUBEY	NIGAM KUMAR DUBEY	ALLAHABAD STATE UNIVERSITY CAMPUS	Bronze Medal
4	MASTER OF ARTS HINDI	AMIT MISHRA	VASHU DEV MISHRA	RAMASHRAY SHUKL MAHAVIDHYALAY PURE CHHATTU RAMPUR BABAU PRATAPGARH	Bronze Medal
	MASTER OF ARTS HISTORY				
1	MASTER OF ARTS HISTORY	SWATI CHAUDHARY	K K CHAUDHARY	NIVEDITA SINGH GIRLS DEGREE COLLEGE, SHANTINAGAR, FATEHPUR	Gold Medal
2	MASTER OF ARTS HISTORY	GAURAV TIWARI	RAJENDRA KUMAR TIWARI	TRIVEDI DEGREE COLLEGE, MAHRAHA,BINDKI,FATEHPUR	Silver Medal
3	MASTER OF ARTS HISTORY	KM KOMAL	VINOD KUMAR	ABHAY PRATAP SINGH DEGREE COLLEGE,KUNWARPUR ROAD,BINDAKI,FATEHPUR	Bronze Medal

Sno	Course	Student Name	Father's Name	College Name	Medal Type
	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) ECONOMICS				
1	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) ECONOMICS	RAVI SINGH	UMESH CHANDRA SINGH	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) ECONOMICS	RAKESH KUMAR	RAVINDRA RAM	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) ECONOMICS	SHIVAM SINGH	DHARMENDRA SINGH	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) EXTENSION				
1	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) EXTENSION	CHANDRA PRATAP SINGH	VIMAL SINGH	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) EXTENSION	DILEEP KUMAR	ASHOK KUMAR	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) EXTENSION	SHIV AVTAR SINGH	KAMLESH	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) HORTICULTURE				
1	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) HORTICULTURE	ADITYA SHEKHAR	DAYA SHANKAR	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) HORTICULTURE	SUSHIL KUMAR	KAMALESH	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE) HORTICULTURE	SAURABH NARAYAN OJHA	VYAS NARAYAN OJHA	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE)BOTANY				
1	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE)BOTANY	MD. RAMJAN SHEKH	MUNAVVAR ALI	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE)BOTANY	VIKAS KUMAR	KAILASH SINGH	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE (AGRICULTURE)BOTANY	ABHAY KUMAR YADAV	RAMESH CHANDRA YADAV	KULBHASKAR ASHRAM POST GRADUATE COLLEGE, ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE BOTANY				
1	MASTER OF SCIENCE BOTANY	KM SHRUTI SRIVASTAVA	PRAKASH CHANDRA SRIVASTAV	HEMWATI NANDAN BAHUGUNA RAJKIYA MAHAVIDYALAYA, NAINI, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE BOTANY	SEEMA TRIVEDI	D S TRIVEDI	TH. YUGRAJ SINGH MAHAVIDYALAYA, FATEHPUR	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE BOTANY	NITIN SHAHI	MANOJ SHAHI	DEEN DAYAL UPADHYAY RAJKEEYA MAHAVIDYALAYA,SAIDABAD,ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE CHEMISTRY				
1	MASTER OF SCIENCE CHEMISTRY	GANESH NAND SINGH	DEVANAND YADAV	URMILA DEVI DEGREE COLLEGE, RASAR, BARAUT, HANDIA, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE CHEMISTRY	UMENDRA SINGH	BIRENDRA PRATAP SINGH	URMILA DEVI DEGREE COLLEGE, RASAR, BARAUT, HANDIA, ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE CHEMISTRY	SANDEEP KUMAR GUPTA	BHAI LAL GUPTA	URMILA DEVI DEGREE COLLEGE, RASAR, BARAUT, HANDIA, ALLAHABAD	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE MATHEMATICS				
1	MASTER OF SCIENCE MATHEMATICS	PAWAN KUMAR PATEL	RISHIRAJ PATEL	DEEN DAYAL UPADHYAY RAJKEEYA MAHAVIDYALAYA,SAIDABAD,ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE MATHEMATICS	SHWETAMBARI YADAV	SURENDRA YADAV	DEEN DAYAL UPADHYAY RAJKEEYA MAHAVIDYALAYA,SAIDABAD,ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE MATHEMATICS	ANU RASTOGI	NANHE RAM RASTOGI	PT. KHERE PD. VIPIN BIHARI MAHAVIDYALAYA, KAUNH, CHANDPUR, FATEHPUR	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE PHYSICS				
1	MASTER OF SCIENCE PHYSICS	SHRUTI MISHRA	SUNEEL KUMAR MISHRA	SARSWATI VIDHYAMANDIR VIGYAN EVAM PRODHOGIKI MAHAVIDHYALAYA LALGANJ PRATAPGARH	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE PHYSICS	SAKSHI SRIVASTAVA	SANJAI KUMAR SRIVASTAVA	PRATAP BAHADUR P.G. COLLEGE PRATAPGARH CITY	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE PHYSICS	UROOJ JAFRI	SALEEM PARWEZ JAFRI	SARSWATI VIDHYAMANDIR VIGYAN EVAM PRODHOGIKI MAHAVIDHYALAYA LALGANJ PRATAPGARH	Silver Medal
4	MASTER OF SCIENCE PHYSICS	SWETA PANDEY	DEVENDRA KUMAR PANDEY	SARSWATI VIDHYAMANDIR VIGYAN EVAM PRODHOGIKI MAHAVIDHYALAYA LALGANJ PRATAPGARH	Bronze Medal
	MASTER OF SCIENCE ZOOLOGY				
1	MASTER OF SCIENCE ZOOLOGY	KIRTI TRIPATHI	B K TRIPATHI	URMILA DEVI DEGREE COLLEGE, RASAR, BARAUT, HANDIA, ALLAHABAD	Gold Medal
2	MASTER OF SCIENCE ZOOLOGY	NISHA SINGH	AMARJEET SINGH	HEMWATI NANDAN BAHUGUNA RAJKIYA MAHAVIDYALAYA, NAINI, ALLAHABAD	Silver Medal
3	MASTER OF SCIENCE ZOOLOGY	PRINCY SAHU	RAJ KUMAR SAHU	RAM SAJIWAN SINGH MAHAVIDYALAYA,JAYANTIPUR,KAUSHAMBI	Bronze Medal
	MASTER OF SOCIAL WORK				
1	MASTER OF SOCIAL WORK	MOHAMMAD ZUBAIR	RASUL MOHMMAD	ALLAHABAD STATE UNIVERSITY CAMPUS	Gold Medal
2	MASTER OF SOCIAL WORK	DAL PRATAP SINGH	KAMLESH SINGH	ALLAHABAD STATE UNIVERSITY CAMPUS	Silver
3	MASTER OF SOCIAL WORK	MANISH GUPTA	RAMANAND GUPTA	ALLAHABAD STATE UNIVERSITY CAMPUS	Bronze Medal

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में ''कुम्भ, अध्यात्म और बाजार'' विषयक संगोष्ठी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं प्रयागराज विद्वत परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में ''**कुम्भ, अध्यात्म और बाजार**'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.आर.पी.मिश्रा ने कहा कि अध्यात्म की यह ताकत है कि बाजार को आध्यात्मिक की दिशा में मोड़ दे।

बाजार से बहुत बड़ी शक्ति आध्यात्म है। उन्होंने कहा कि अगर हम अध्यात्म और सेवा को प्रमुखता से लेकर बाजार को जोड़ते हैं तो निश्चित जानिए की कुम्भ सफल होगा। कुम्भ मेला अध्यात्म का केंद्र है जहाँ पर श्रद्धा प्रमुख है और अब बाजार इसका अंग हो गया है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि हम आधुनिकता से बच नहीं सकते लेकिन अध्यात्म पर बाजार को हावी होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस पर समन्वय स्थापित करना जरूरी होगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने का कि यह एक बड़ा इवेंट है तथा इससे लाभ पाने वाले बहुत सारे व्यक्ति हैं। स्वामी हरि चैतन्य ब्रह्मचारी टीकरमाफी ने कुम्भ की महत्ता के बारे में जानकारी दी। अरविंद, फूल चंद दूबे, मोनी बाबा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन आचार्य वीरेंद्र और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रमोद शुक्ला ने किया। इस अवसर पर अजय शर्मा, पूनम मिश्रा, अभिनव उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में कार्यक्रम

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, बिन्दकी फतेहपुर द्वारा ''डिजिटल इंडिया प्रोग्राम एक बदलाव की पहल-उभरते मुद्दे एवं चुनौतियाँ'' विषय पर द्वि-दिवसीय सेमिनार में सहभागिता (5-6 अक्टूबर, 2018)

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय बिन्दकी फतेहपुर में ''**डिजिटल इंडिया प्रोग्राम एक बदलाव**

की पहल-उभरते मुद्दे एवं चुनौतियाँ'' विषय पर द्वि-दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने वक्तव्य में कहा कि सूचना एक शक्ति होती है और यह सूचना यदि किसी प्रौद्योगिकी के माध्यम से मिले तो और भी अधिक शक्तिशाली हो जाती है। इलेक्ट्रानिक माध्यम से पूरा विश्व एक गाँव में बदल गया है। सूचना तंत्र ने मनुष्य के जीवन के सभी पक्षों यथा-व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीति को प्रभावित किया है। सूचना की उपयोगिता न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए है बल्कि मनोरंजन के लिए भी है। सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से विश्व के कई देशों में सम्पन्नता आई हैं। सूचना क्रान्ति का प्रभाव पूरे विश्व में पड़ा है, भारत इससे अछूता नहीं रहा। भारत सूचना क्रांति के रास्ते पर न केवल चल रहा है बल्कि इसके केन्द्र में अपने को स्थापित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के.मिश्रा ने कहा कि डिजिटल इंडिया मिशन से शहर और गाँव का भेद समाप्त हो रहा है। इंटरनेट के प्रयोग का लाभ किसानों को भी मिलना शुरू हो गया है। किसानों की खुशहाली के बगैर देश की वास्तविक खुशहाली नहीं आ सकती हैं। डॉ0 शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय के प्रो. ए.पी.तिवारी ने कहा डिजिटल इंडिया की राह पर भारत के गांव चल चुके हैं। जिन्हें कभी अज्ञानता का अड्डा समझा जाता था अब वे लगातार डिजिटल इंडिया के चलते विकास कर रहे हैं। एक आम आदमी इंटरनेट के माध्यम से गाँव के विकास संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकता है। कानपुर विश्वविद्यालय से कृतकार्य प्रो. के.एस.भदौरिया ने कहा कि उत्तम ई-गवर्नेंस से अब सरकारी कार्यों में देरी नहीं लगती हैं। सरकार की ज्यादातर योजनाओं की जानकरी हिन्दी में उपलब्ध रहती है। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिंदकी के प्राचार्य डॉ. शीलप्रिय त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं में कुपोषण एवं गिरते स्वास्थ्य और मातृत्व मृत्यु दर एक चुनौती है। इसके निराकरण में डिजिटलाइजेशन काफी हद तक सहायक सिद्ध हो रहा है। एक परियोजना में सरकार ने 'आरोग्य सखी' नाम से मोबाइल एप शुरू किया है जिसके इस्तेमाल द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में महिला कार्यकर्ता सुरक्षात्मक स्वास्थ्य जानकारी हर महिला तक पहुचाने का कार्य कर सकेंगी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ला, अभय प्रताप डिग्री कालेज के प्रो. डॉ0 सतीश यादव, प्राचार्य डॉ0 सुनीता अग्निहोत्री, डॉ0 अंशु बाला यादव, डॉ. प्रियंका रानी, डॉ0 सपना पाण्डेय, डॉ0 नीरज राय आदि सदस्यगण उपस्थित थे।

शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक (30.10.2018) में सहभागिता

शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ कालेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महात्मा गाँधी के आचरण, आदर्श और कार्य प्रवृत्ति को यदि युवा अपने दैनिक जीवन में आत्मसात कर लें जो, उन्हें सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।

समदरिया स्कूल ऑफ स्पेशल एजूकेशन संस्था में सामाजिक सरोकार दिव्यांगजन: एक विमर्श विषयक संगोष्ठी में सहभागिता (17.11.2018)

समदरिया स्कूल ऑफ स्पेशल एजूकेशन संस्था में सामाजिक सरोकार दिव्यांगजन: एक विमर्श' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य आयुक्त, भारत सरकार, दिव्यांगजन सशक्तिकरण डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान की केन्द्र सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है। सरकार के साथ समाज में लोगों को निकलकर दिव्यांगजनों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि आज के दौर में दिव्यांगजन कई क्षेत्रों में बेहतरीन ढंग से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से भी लोगों को रूबरू कराया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि दिव्यांगजन किसी भी रूप में कम प्रतिभाशाली नहीं होते हैं। बस जरूरत है उन्हें उचिन माहौल देने की। उचित माहौल और बेहतर अवसर देकर आगे बढ़ाने की। हमारा थोड़ा सा प्रोत्साहन दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने में संबल प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में दिव्यांग होते हुए भी कई लोग देश के विकास में महती भूमिका निभा रहे हैं।

आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रमा सिंह ने कहा कि यह सुखद अनुभूति है कि आज समाज का नजरिया दिव्यांगजनों के प्रति तेजी से बदल रहा है। आज लोग बढ़ चढ़कर उनको उचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम दिव्यांगों को भी बेहतर सुविधा एवं साधन उपलब्ध कराकर समाज के मुख्य धुरी का हिस्सेदार बना सकते हैं।

इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में कार्यरत डॉ. हेमराज डोगरा ने अपंग एवं दृष्टिबाधित लोगों के लिए विकलांग एवं दिव्यांगजन शब्द प्रयोग करने पर आपत्ति जतायी। कहा कि दिव्यांगजन की सोच एवं विचार पूरी तरह आम लोग जैसी होती है। इस तरह के शब्दों के इस्तेमाल से उनकी छवि धूमिल होती है। दिव्यांग जनों के लिए किसी और लोक की कल्पना करना ठीक नहीं है। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक एवं संस्थान के प्रबंधक डा. मणिशंकर द्विवेदी ने किया एवं डा. विमला मिश्रा ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ

अम्बिका पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर प्रयागदत्त तिवारी, मधुकराचार्य त्रिपाठी, प्रभात शुक्ल, डा. बबली द्विवेदी, आर.पी.सिंह, डा. गया प्रसाद गुप्त, डा. जे.पी.सिंह, सुरेश त्रिपाठी, महेन्द्र सिंह, डा. प्रत्यूष पाण्डेय, डा. अशोक पाण्डेय, डा. जी.सी.द्विवेदी, डा. सुनीता खरे, डा. ऊषा शुक्ला, शरद मिश्रा, राम हर्ष यादव आदि उपस्थित थे।

सर्वेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं इसराजी देवी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित ''सर्वपंथीय धर्मसभा'' विषयक संगोष्ठी में सहभागिता (23.11. 2018)

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में सर्वेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय व इसराजी देवी शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित एक सर्वपंथीय धर्मसभा का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भदन्त शान्तिमित्र, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान, लखनऊ से पधारे थे। कार्यक्रम का संचालन बृजेश सिंह द्वारा किया गया एवं सर्वधर्म समभाव विषय पर विचार विमर्श व सम्भाषण प्रस्तुत किया।

श्यामाचरण गुप्त प्रयागराज, प्रो0 राजेश मिश्रा, इलाहाबाद संग्रहालय, प्रो0 गीता देवी, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, डॉ0 रघुराज प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य हंडिया पीजी कौलेज गोरखपुर, व डॉ0 मयाशंकर सिंह, पूर्व प्राचार्य दिग्विजय सिंह पीजी कॉलेज गोरखपुर, डॉ0 अशोक कुमार, डॉ0 पूजा सिंह, कबीर पन्थी देवेंद्र साहब आदि लोगों ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का समापन प्रबंधक डॉ0 वीना सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विश्व एड्स दिवस पर राम निहोरा इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज में सहभागिता (02.12.2018)

'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर राम निहोरा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज, इलाहाबाद के छात्र-छात्राओं द्वारा रैली निकाली गयी। संस्था के निदेशक डॉ0 विनीता विश्वकर्मा ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ0 रोहित पाण्डेय ने रैली का स्वागत किया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रैली का आरम्भ किया गया। संस्था के निदेशक डॉ0 आर.पी.सिंह, निदेशिका डॉ0 कुसुम पाण्डेय, के.के.शुक्ला, प्रशासक, प्राचार्य, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे। संस्था के छात्रों द्वारा पथ संचलन प्रदर्शनी डांडी गाँव होते हुए चाका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर समाप्त हुई।

'टाउन एवं गाउन' की गतिविधियों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

इलाहबाद साहित्यक सांस्कृतिक केन्द्र में ''हमख्वाब'' पुस्तक के विमोचन में सहभागिता दिनांक (26.09.2018)

एन.सी.जेड.सी.सी. में एन.सी.आर. के मंडल वाणिज्य प्रबंधक व साहित्यकार अमन वर्मा के उपन्यास 'हमख्वाब' पुस्तक का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पं. केशरी नाथ त्रिपाठी ने कहा कि 'हमख्वाब' पुस्तक युवा बनने की प्रेरणा देता है। अमन ने सहज, सरल शब्दों में समाज की विसंगतियों और प्रेमा-अभिव्यक्ति को विस्तार दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा उपन्यास में जीवन से संघर्ष और परिस्थितियों से मुकाबला करने की प्रेरणा देती है। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि व्यस्त समय में सृजनात्मक कार्य को जारी रखना बहुत कठिन होता है, लेकिन अमन दृढ़ संकल्प से साहित्यिक विरासत को संभाले हुए है।

कार्यक्रम में एन.सी.आर. के महाप्रबंधक राजीव चौधरी, डी.आर.एम. अमिताभ, सी.पी.आर.ओ. गौरवकृष्ण बंसल, सीनियर डी.सी.एम. नवीन दीक्षित, चौ. जितेन्द्र नाथ सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह, हर्षवर्द्धन वाजपेयी, अजीत श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, अमित पाण्डेय, डॉ. नरेन्द्र सिंह गौर, धर्मराज पटेल आदि मौजूद थे।

जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट, प्रतापगढ़ के उद्घाटन समारोह में सहभागिता (13 दिसम्बर, 2018)

जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट, प्रतापगढ़ के औपचारिक उद्घाटन समारोह किशोरी सदन में आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री रामनाईक एवं समारोह के अध्यक्ष के रुप में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दोनों राज्यपाल ने जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट की पुस्तिका का विमोचन किया। श्री राम नाईक ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में जो बैठा है, उसका भाग्य बैठ जाता है और जो सोता है उसका भाग्य सो जाता है। अत: चलते रहो चलते रहो से ही जीवन आगे बढ़ता है। आज दुनिया बहुत नजदीक आ गई है और स्पर्धा इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि इसमें मानवता तार-तार होती दिखाई

पड़ रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जो बच्चे अपने बूढ़े माँ-बाप को छोड़कर विदेश चले जाते हैं उनकी भी हालत दयनीय होती है। उन्होंने कहा कि वंचितों की सेवा करने पर आनंद की अनुभूति होती है। पर्यावरण, शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए ट्रस्ट ने जो योजना बनाई है, उसे पूरा समर्थन मिलेगा।

इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी ने कहा कि जब जनहित का कार्य किया जाता है तो आर्शीवाद देने वालों की संख्या बढ़ जाती है। जिन उद्देश्यों के लिए यह ट्रस्ट बना है, वह बहुत बड़ा उद्देश्य है। मुझे आशा है कि यह ट्रस्ट इस दिशा में आगे कार्य करेगा। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान के अध्यक्ष भदंत शांति मित्र ने भी इस संस्था को अपनी शुभकामनाएँ दीं। ट्रस्ट की निर्देशिका डॉ0 शिवानी मातनहेलिया ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें माननीय राज्यपाल द्वारा उद्बोधन से नई ऊर्जा मिली है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, विधायक धीरज ओझा, संगमलाल गुप्ता, डॉ. आर.के.वर्मा, नपा अध्यक्ष प्रेमलता सिंह, पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

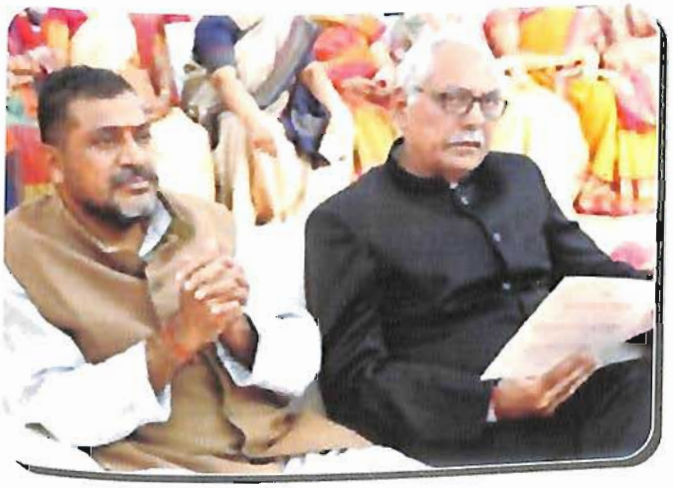

'चाइल्ड ऑफ टू लवर्स' पुस्तक के विमोचन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में सहभागिता (23 दिसम्बर, 2018)

प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर समेत तीन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने युवा

लेखिका सुश्री आयुषी सिंह की पुस्तक 'चाइल्ड ऑफ टू लवर्स' पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने लेखिका को प्रयाग का गौरव बताया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रतन लाल हांगलू ने पुस्तक के विषय-वस्तु को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि पति-पत्नी के अलगाव से बच्चों की परवरिश पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

सिविल लाइंस के स्थित होटल में आयोजित विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि व इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रतन लाल हांगलू, विषिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, पूर्व मंडलायुक्त बी.के.सिंह, प्रदेश के पर्वू उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेन्द्र सिंह गौर ने पुस्तक की भूरि-भूरि प्रशंसा की। शिक्षाविदों ने कहा कि युवा लेखिका सुश्री आयुषी की यह पुस्तक युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत्र का काम करेगी। साफ्टवेयर इंजीनियर आयुषी ने बताया कि इस पुस्तक की कहानी एक बच्ची पर आधारित है, जिसे सिजोफेनिया नामक मानसिक रोग था, जो लाइलाज है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि लेखिका ने एक उपेक्षित विषय पर एक सराहनीय पुस्तक की रचना की है। मुख्य वक्ता प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि पुस्तक लेखन व्यवसाय नहीं बल्कि समर्पण से संभव हो पाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने शिक्षक व शिक्षा से जुड़े इस कार्यक्रम की सराहना की। समारोह के अवसर पर डॉ0 अभय प्रताप सिंह, डॉ0 इन्दु सिंह, प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर बालिका इण्टर कॉलेज, डॉ0 संजय सिंह, डॉ0 अंजु चतुर्वेदी, डॉ0 पारूल यादव, प्रो0 रामसेवक आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अनंत सिंह ने किया।

भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, प्रयागराज द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती में मुख्य अतिथि के रुप में सहभागिता (26 दिसम्बर 2018)

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 95वीं जयंती के अवसर पर राजनीतिक संगठनों एवं शिक्षण संस्थानों की ओर से अलग-अलग स्थानों पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये।

महानगर अध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने कहा कि वाजपेयी जी देश के सशक्त प्रधानमंत्री रहे। पूर्व उपमहापौर मुरारी लाल अग्रवाल ने कहा कि वह अजातशत्रु थे और संयुक्त राष्ट्र में हिंदी की अलख जगाने वाले पहले प्रधानमंत्री के रूप में रहे।

भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की ओर से पथरचट्टी मैदान में कवि सम्मेलन का अयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद एवं बसंत लाल आजाद ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

डॉ. कमला सिंह, श्याम चंद गिरी, रवि केसरवानी, पवन श्रीवास्तव, नटवरलाल भारती, हरीश पासवान, अनिमेष मिश्र, प्रदीप पांडे, राजू पाठक, शिवेंद्र मिश्र, विश्वास श्रीवास्तव, अमित सिंह, भानु प्रसाद तिवारी मौजूद रहे।

हंसवाहिनी अखिल भारतीय साहित्यिक सामाजिक संस्था 'हंस वाहिनी' की ओर से ''हंसवाहिनी महोत्सव'' में सहभागिता (30 दिसम्बर 2018)

अखिल भारतीय साहित्यिक सामाजिक सांस्कृतिक संस्था हंसवाहिनी की ओर से 'हंसवाहिनी महोत्सव' के तहत कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र और प्रदेश सरकार के विकास कार्यों पर चर्चा की। कुम्भ के मद्देनजर प्रयागराज को कई प्रमुख शहरों से हवाई मार्ग से जोड़ा गया है। जलमार्ग से जोड़ने की तैयारी है। उपमुख्यमंत्री ने डॉ. शैलेश कुमार पाण्डेय की दो खंडों में पुस्तक **''मध्यकालीन राजनीतिक भारत का इतिहास''** का विमोचन भी किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समाज को विकास से जोड़ने पर बल दिया। समारोह में गायिका स्वाति निरखी एवं विष्णु राजा को हंस वाहिनी सम्मान से नवाजा गया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष अवधेश चन्द्र गुप्ता थे। अतिथियों का स्वागत श्री शैलेश कुमार पांडेय ने किया। संस्था के सचिव आभा श्रीवास्तव ने सम्मान समारोह एवं महासचिव शैलेंद्र मधुर ने कवि सम्मेलन का संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन नरेन्द्र सिंह ने किया।

नई व्यवस्था | नेड के तहत दो लाख विद्यार्थियों के शैक्षिक रिकॉर्ड अपलोड

एएसयू के मार्कशीट-सर्टिफिकेट ऑनलाइन

[illegible]

क्या है नेड

[illegible]

'शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण'

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में शिक्षकों के सम्मान समारोह का संचालन करती डा. कुल सचिव दीप्ति मिश्रा व मंच पर उपस्थित पूर्व कुलपतिगण व कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद।

जासं, इलाहाबाद : शिक्षकों की देश व समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। जिस देश में अच्छे शिक्षक होते हैं और उनका समाज में सम्मान होता है वह देश बहुत प्रगति करता है। यह बातें इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहीं। उन्होंने इस अवसर पर चार विश्वविद्यालयों के कुलपतियों समेत विश्वविद्यालय से संबद्ध इलाहाबाद, प्रतापगढ़, कौशाम्बी व फतेहपुर में संचालित महाविद्यालयों में विगत तीन वर्षों में सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेरणादायी है। शिक्षकों को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा ने किया तथा कुलसचिव डॉ. विनीता यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ये शिक्षक हुए सम्मानित : राज्य विश्वविद्यालय ने शिक्षक दिवस पर जिन शिक्षकों को सम्मानित किया उनमें प्रमुख रूप से प्रो. रूपा दुबे, पूर्व कुलपति यूपीआरटीओयू, प्रो. पीआर अग्रवाल पूर्व कुलपति पूर्वांचल विवि, प्रो. ओम प्रकाश पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह विवि शामिल हैं। इसके अलावा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रो. ए सत्यनारायण, प्रो. आरबीएस वर्मा, प्रो. जेएन मिश्र, प्रो. जेएन पॉल, डॉ. एमएन सिंह, डॉ. डॉसी सिंह, डॉ. आरएस राय, डॉ. ओपी श्रीवास्तव, प्रो. रुद्र देव, प्रो. [illegible] हैं। महाविद्यालयों के जिन शिक्षकों को सम्मानित किया गया उनमें डॉ. रजनी श्रीवास्तव, डॉ. निरंकार सिंह, डॉ. मलिक सिंह, डॉ. विजय लक्ष्मी तिवारी, डॉ. ज्योत्सना तिवारी, डॉ. कृपा मिश्रा, डॉ. [illegible] अहमद, डॉ. [illegible] सिंह, डॉ. गंगालाल यादव, डॉ. आरती सिंह, डॉ. यमुना प्रसाद, डॉ. शीतला प्रसाद मौर्य, डॉ. केशव प्रसाद [illegible], प्रो. श्याम बिहारी शुक्ल, डॉ. शोभा ओझा आदि शामिल रहे।

शेष नाथ राज्य विवि के नए कुलसचिव

प्रयागराज : शासन ने शेष नाथ पांडेय को [illegible]

[illegible]

गायन में मोनाली बनर्जी और नृत्य में गरिमा ने मारी बाजी

[illegible]

युवा महोत्सव : एमएलजीएडीसी में दिवसीय आयोजित हुई कई प्रतियोगिताएं

मेजबान एएसयू ने मारी बाजी

[illegible]

साहित्य हमारे अंतर जीवन को विकसित करने कला

[illegible]

हासला की कहानी है उपन्यास 'हमख्वाब'

राज्यपाल पं. केशरीनाथ ने किया उपन्यास का लोकार्पण

[illegible]

एएसयू में 'रिडिस्कवरिंग गांधी' के दो संस्करणों का लोकार्पण

इलाहाबाद : राज्य विश्वविद्यालय में गांधी एवं शास्त्री जयंती पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र की ओर संपादित गांधी दर्शन पर आधारित 'रिडिस्कवरिंग गांधी' के दो संस्करणों का लोकार्पण किया गया। [illegible]

'वर्तमान माहौल में गांधी के विचार और प्रासंगिक'

[illegible]

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, प्रो. आरपी मिश्र [illegible]

एएसयू के 95 मेधावियों को पदक

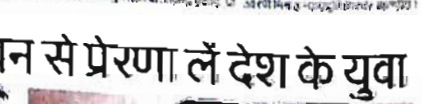

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह आठ दिसंबर को

समारोह में शामिल होंगे उपराष्ट्रपति, 20 हजार विद्यार्थियों को दी जाएगी डिग्री

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) का पहला दीक्षांत समारोह आठ दिसंबर को होने जा रहा है। इसमें बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। [illegible] राज्य विश्वविद्यालय के 95 मेधावियों को पदक प्रदान किया जाएगा। [illegible] 17 जून 2018 को [illegible]

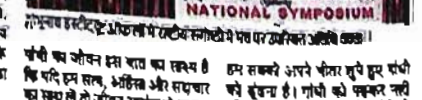

[illegible] 20 हजार से अधिक विद्यार्थियों को डिग्री दी जानी है। [illegible] 29 [illegible] 34 को रजत पदक और 31 [illegible]

आधे से अधिक छात्राएं

[illegible] समारोह में कुल 20542 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी जाएंगी, जिसमें 7541 छात्र और 13001 छात्राएं हैं। इनमें छात्राएं 63.28 फीसदी हैं। [illegible]

पानी में खराब नहीं होगी डिग्री

[illegible]

बापू के जीवन से प्रेरणा लें देश के युवा

शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ में राष्ट्रीय संगोष्ठी में मंच पर उपस्थित अतिथि [illegible]

जासं, इलाहाबाद : महात्मा गांधी के आचरण, आदर्श और कार्य प्रवृत्ति को यदि युवा अपने दैनिक जीवन में आत्मसात कर लें तो, उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। यह बातें सोमवार को शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र ने कहीं। [illegible]

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मोहनदास से महात्मा गांधी बनने तक की यात्रा [illegible] उन्होंने आह्वान किया कि, यदि जीवन में सफल होना है तो सत्य का दामन कभी न छोड़ें। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. [illegible] ने कहा कि, महात्मा गांधी का जीवन इस बात का साक्ष्य है कि यदि हम सत्य, अहिंसा और सदाचार का साथ लें तो जीवन सार्थक हो सकता है। [illegible] इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि, आज गांधी को नए संदर्भों में समझकर उसके अनुरूप आचरण करने की जरूरत है। [illegible] हम सबको अपने भीतर छुपे हुए गांधी को ढूंढना है। [illegible] कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनी त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्पिता सिन्हा ने किया। [illegible] प्रो. जेपी मिश्र, प्रो. हेमलता श्रीवास्तव, प्रो. राजेश त्रिपाठी, [illegible] यादव, आदित्य शाही आदि मौजूद रहे।

मेधा का सम्मान

आदित्य शेखर को कुलाधिपति पदक

मेडल व उपाधि पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहते हैं आदित्य शेखर

राज्यपाल से मेडल पाकर मुस्कुराई मेधा

एएसयू दीक्षांत समारोह

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना बड़ी चुनौती

उच्च शिक्षा में और बढ़ी बेटियों की भागीदारी: राम नाईक

परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया हुई तय

कुलभास्कर के छात्र आदित्य शेखर को मिलेगा पहला चांसलर गोल्ड मेडल, 92 को पदक से नवाजेंगे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल

55 प्रतिशत से अधिक छात्राओं को मिलेंगे मेडल

एएसयू

केसरिया उत्तरीय धारण करेंगे विद्यार्थी

दीक्षांत समारोह में पदक पाने वाले शहर के मेधावी

बाजार हो गया कुम्भ का एक अंग

संगोष्ठी

जयंती पर याद किए गए पूर्व पीएम अटल बिहारी

कार्यक्रम

सुशासन दिवस के रूप में मनाई पूर्व पीएम जयंती

सर्वेश्वरी महाविद्यालय में आयोजित सर्वपंथीय धर्मसभा में मंचासीन अतिथि।

सर्वपंथीय धर्मसभा का हुआ आयोजन

नैनी। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती स्मरणोत्सव व गुरुनानक जयंती के अवसर पर सर्वेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं इसराजी देवी शिक्षण संस्थान, धनुहा चाका नैनी के सभागार में शुक्रवार को सर्वपंथीय धर्मसभा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि भदंत शांति मित्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, सांसद श्यामाचरण गुप्त, प्रो. राजेश मिश्रा, प्रो. गीता देवी, डॉ. रघुराज प्रताप सिंह व डॉ. मया शंकर सिंह मौजूद रहे। डॉ. कविता मिश्रा प्राचार्या सर्वेश्वरी कॉलेज ने विषय वस्तु का संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन बृजेश सिंह ने किया।

मानसिक बीमारी का इलाज इच्छा शक्ति से

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.